हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

9 कांग्रेस के बिगड़े बोल पर फूटा भाजपा का गुस्सा...

10 श्रमिक बोर्ड की साइट बंद करने के विरोध में प्रदर्शन किया

खबर संक्षेप

ओढ़ा में गली पक्की करने का निर्माण कार्य शुरू

ओढां। गांव ओढ़ा में स्थित विलासपुर ढाणी की मेन गली कच्ची होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। इस समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत ने मनरेगा स्कीम के तहत करीब साढ़े नौ लाख की लागत से गली का निर्माण कार्य शुरू किया है। आज सरपंच संदीप सिंह ने नारियल फोड कर गली का निर्माण कार्य शुरू किया।

श्रीराधाष्टमी पर भजन संध्या का आयोजन आज

फतेहाबाद। श्री रघुनाथ मंदिर में श्री राधाष्टमी के उपलक्ष्य में भजन संध्या का आयोजन 31 अगस्त रविवार को सांय 7 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए मंदिर सभा के प्रधान टेकचंद मिट्ठा ने बताया कि श्रीराधाष्टमी पर होने वाली भजन संध्या में भजन गायक मुकेश राही, दास अमित मुंजाल, उमंग सरदाना, रजनी देवी को आमन्त्रित किया गया है, जो अपनी सुरीली आवाज में भजनों की अमृतवर्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मौके पर राजकुमार मदान मंच संचालन करेंगे।

घरेलू हिंसा के मामले में आरोपी पति गिरफ्तार

फतेहाबाद। महिला अपराधों के प्रति त्वरित एवं सख्त कार्रवाई करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने घरेलू हिंसा के एक मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता द्वारा विवाह के पश्चात मारपीट और घरेलू हिंसा की शिकायत पुलिस को दी गई थी। शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान साक्ष्य एकत्रित किए गए तथा आरोपी की पहचान योगेश पुत्र श्यामलाल, निवासी वार्ड नंबर 9, कलायत, जिला कैथल के रूप में की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार जमानत पर रिहा किया है।

सड़क हादसे में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी की मौत

सिरसा। स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी की सडक़ हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान लखविंद्र सिंह के रूप में हुई है जो कि विभाग की एंबुलेंस में बतौर चालक नियुक्त था। शनिवार को जिला नागरिक अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। जानकारी के अनुसार लखविंद्र ड्यूटी के बाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर आ रहा था। रास्ते में गांव अभोली के निकट अचानक मोटरसाइकिल के आगे पशु आ गया जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर जा गिरा।

अधिक बारिश हुई तो नहीं बचेगी नरमे की फसल: कृषि उपनिदेशक

34 गांवों में जलभराव से 5 हजार एकड़ में नरमे की फसल को 90 फीसदी तक नुकसान

धान और ग्वार की 5000 एकड़ की फसल में नुकसान की आशंका

जून से लेकर अभी तक 350 एमएम बारिश की दर्ज, 5 सितंबर तक और बारिश की जताई सम्भावना

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में पिछले दिनों हुई बारिश से अभी भी 34 गांवों के खेतों में जलभराव है। फसलों में जमा बारिश के पानी को अब 48 घंटे से अधिक का समय बीत गया है। शनिवार को निकली तेज धूप के बाद फसलों में इसका प्रभाव दिखाई देना शुरू हो गया है। इससे नरमा, धान और ग्वार की करीब 5000 एकड़ की फसल में नुकसान की आशंका है। जिले में इस बार जून से लेकर अभी तक 350 एमएम बारिश दर्ज की गई है, जबकि जिले में औसतन वार्षिक बारिश 373 एमएम है। जिसमें पिछले दो माह में 200 एमएम से अधिक बारिश हुई है। इससे जमीन के जलग्रहण की क्षमता कम हो चुकी है। ऐसे में जिले के करीब 34 गांवों में फसलों में जलभराव की समस्या बनी हुई है। इससे फसलें नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई हैं। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि नरमा की फसल में जलभराव के दौरान यदि धूप निकलती है तो फसल खराब हो जाएगी। अगर और बारिश हुई तो फसल को नहीं बचाया जा सकता। वहीं धान की पौध ऊपर से 6 इंच पानी से बाहर है तो संभावना है कि नुकसान होने से बच जाए। जलभराव के दौरान फसल को नष्ट होने से बचाने यही उपाय है कि खेतों से पानी की निकासी हो वहीं मौसम विशेषज्ञों के अनुसार एक से 5 सितंबर तक और बारिश की सम्भावना जताई है। किसानों ने बताया कि नरमा की फसल में बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। नरमा की फसल में पानी सूखने के बाद भी खराब हो जाती है। वहीं धान की पौध के पते पानी में नहीं डूबे है तो इससे उम्मीद है कि वह नष्ट होने बच जाए लेकिन पानी एक सप्ताह से अधिक समय तक जमा नहीं रहना चाहिए।

फतेहाबाद। बरसात के बाद खेतों में भरा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

इन गांवों में जलभराव की समस्या

फतेहाबाद के गांव बड़ोपल, कुम्भरिया, काजल, करनोली, दरियापुर, अलीपुर बरेटा, भट्ट खंड के 18 गांवों में सेम की समस्या होने से फसलें जुलाई माह में ही नष्ट हो चुकी है। वहीं अब गांव हुक्मावाली, हड़ौली, नागपुर, खुनन, अलीकां, मढ़, कलौठां, बबनपुर, बादलगढ़, ब्राह्मणवाला, लुठेरा और भूथन कलां सहित अन्य कई गांवों में फसलें प्रभावित हुई है। इसको लेकर किसानों ने सरकार से गिरदावरी करवाकर मुआवजे की मांग की है।

तीन फीट तक भरा पानी

पिछले तीन दिनों से धान की फसल तीन-तीन फीट पानी जमा है। अगर अगले एक या दिनों में पानी का स्तर कम नहीं हुआ तो फसल खराब हो जाएगी। ऐसे में सरकार को स्पेशल गिरदावरी कर मुआवजा जारी करना चाहिए।
-मनदीप नथवान, प्रदेशाध्यक्ष पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति।

नरमा की फसल में जलभराव के दौरान यदि धूप निकलती है तो फसल खराब हो जाएगी। वहीं धान की पौध ऊपर से 6 इंच पानी से बाहर है तो संभावना है कि नुकसान होने से बच जाए। जलभराव के दौरान फसल को नष्ट होने से बचाने यही उपाय है कि खेतों से पानी की निकासी हो।
-डॉ. राजेश सिहाग, उपनिदेशक कृषि एवं कल्याण विभाग, फतेहाबाद।

उम्मीदों पर फिरा पानी

खेत में नरमा की फसल की बुवाई की है। इस बार फसल अच्छी थी, जिससे बेहतर उत्पादन की उम्मीद थी लेकिन लगातार हुई बारिश से यह खराब हो चुकी है। वहीं अगर अब और भी बारिश होती है तो धान की फसल भी खराब हो सकती है।
-कृष्ण कुमार, किसान गांव हिजरावा कलां।

महिला की हालत गंभीर, अस्पताल में किया रेफर

मकान की छत गिरने से चार लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

जांडली कला गांव में शनिवार को बारिश के कारण एक मकान की छत अचानक गिर गई, जिससे घर में मौजूद चार लोग मलबे के नीचे दब गए। हादसा सुबह के समय हुआ, जब भीरा राम छिम्बी के मकान की छत अचानक धरती पर गिर पड़ी। हादसे में महिला रोशनी देवी और उनकी तीन बेटियां अंजलि, बदतर, बोहती, और पड़ोसी लड़का अमृत लाल मलबे में दब गए। भीरा राम के घर के आसपास के लोग धमाके की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला।

दहशत का माहौल

सबसे पहले महिला रोशनी देवी और उनकी तीनों बेटियों को मलबे से निकाला गया, जिनमें से रोशनी देवी और दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद घायल व्यक्तियों को सीएचसी भूना में भर्ती किया गया, जहां से उन्हें अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद जांडली कला के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सरपंच प्रतिनिधि विजय कमांडो ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए प्रशासन से तुरंत राहत सामग्री और मेडिकल सहायता की मांग की है।

भूना। जांडलीकला में भीरा राम के मकान की गिरी हुई छत का मलबा।

प्रशासन जल्द दे ध्यान : सरपंच

सरपंच ने कहा कि इलाके में लगातार बारिश के चलते और भी मकानों को खतरा हो सकता है, अतः प्रशासन को इस पर शीघ्र ध्यान देना चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश ने इलाके में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन को जल्द ही प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करना चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचाव किया जा सके।

लहरिया गांव में पिछले चार दिनों से जलभराव की समस्या जस की तस, लोग अपने घरों से पानी बाहर निकालने की कोशिशों में जुटे

ग्रामीणों को कम्युनिटी सेंटर में शरण लेनी पड़ी

भूना। लहरिया गांव में पिछले चार दिनों से जलभराव की समस्या जस की तस बनी हुई है। इस स्थिति के कारण गांव की गरीब आबादी को अपनी जिंदगी जीने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण ग्रामीणों को अपने घरों से बाहर निकलकर कम्युनिटी सेंटर में शरण लेनी पड़ी है। ग्राम पंचायत राहत कार्यों में पूरी तरह से सक्रिय रही है। ग्राम पंचायत के सदस्यों के प्रयासों के बावजूद बस स्टैंड, बुवान कोठी और इंदाछोई रोड पर पानी अभी भी करीब दो फुट तक भरा हुआ है। वहीं, लोग अपने घरों से पानी बाहर निकालने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। ग्राम सरपंच अरुणा नेहरा ने बताया कि निचले हिस्से की रिहायशी कॉलोनियों में जलभराव के कारण घरों में काफी नुकसान हुआ है।

लहरिया गांव के समीप खेतों में भरा हुआ पानी।

बिजली कर्मचारियों ने की नारेबाजी

सरकार के मांगों को अनदेखा करने पर जताई नाराजगी

फतेहाबाद। गेट मीटिंग के दौरान नारेबाजी करते बिजली कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन के आह्वान पर सर्व कर्मचारी संघ फतेहाबाद द्वारा विभागीय स्तर पर गेट मीटिंग की गई। इस दौरान ऑल हरियाणा पॉवर कॉर्पोरेशन वर्कर यूनियन यूनिट फतेहाबाद की सभी यूनिटों रतिया, फतेहाबाद, भट्ट व बड़ोपल में गेट मीटींग की गई। फतेहाबाद में आयोजित गेट मीटिंग में बिजली कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। गेट मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनिट प्रधान हनुमान सिंह ने की व संचालन यूनिट सचिव रामनिवास शर्मा ने किया। इस दौरान कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार द्वारा अपनाई जा रही कर्मचारी विरोधी नीतियों पर रोष जताया और नारेबाजी की। यूनिट सचिव रामनिवास शर्मा ने कहा कि मीटिंग का मुख्य उद्देश्य कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, आठवें वेतन आयोग का गठन करना, पुरानी पेंशन बहाल करना, समान काम समान वेतन लागू करना इत्यादि को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

विभागीय स्तर पर गेट मीटिंग की गई

वोट चोरी को लेकर सड़कों पर उतरें युवा कांग्रेस

फतेहाबाद। वोट चोरी के मामले को लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज फतेहाबाद में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अध्यक्षता युवा जिलाध्यक्ष संजय ठरवा ने की वहीं विशेष तौर पर प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने किया। हालांकि इस प्रदर्शन में कांग्रेस के बड़े नेताओं की गैरमौजूदगी भी चर्चा का विषय रही। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने वोट चोरी को लेकर वाहनों पर स्टिकर भी चिपकाए। बता दें कि 11 साल से प्रदेश की सत्ता से बाहर होने के बाद से कांग्रेस में गुटबाजी हावी रही।

विवाद

साइन बोर्ड हटाने को लेकर पार्षदों-पूर्व पार्षदों के बीच आरोप प्रत्यारोप

सिरसा। नगरपरिषद द्वारा पूर्व पार्षदों के घरों पर लगे साइन बोर्ड हटाने के फैसले से विवाद खड़ा हो गया है। इस कार्रवाई के विरोध में पूर्व पार्षदों ने बैठक बुलाई और एकजुट होकर विरोध करने का फैसला किया है। पूर्व पार्षदों का आरोप है कि चेयरमैन ने बिना किसी उचित एजेंडे के मनमाने ढंग से यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि इन बोर्डों को उखाड़कर तोड़ दिया गया और कचरे में फेंक दिया गया, जबकि इन्हें लगाने में लगभग सात लाख रुपये का टेंडर जारी किया गया था।

'खेलेगा देश, खिलेगा देश' पर आधारित राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

एमएम कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करते है खेल : डॉ. रामगोपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास व डॉ. रामगोपाल।

उच्चतर शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मनोहर मैमोरियल महाविद्यालय, फतेहाबाद में 'खेलें भी, खिलें भी', हर गली, हर मैदान, खेलें सारा हिंदूस्तान' तथा 'खेलेगा देश, खिलेगा देश' टैगलाईन पर आधारित राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। 29 से 31 अगस्त तक कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह दिवस महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. गुरचरन दास, शारीरिक शिक्षा विभाग अध्यक्ष डॉ. राम गोपाल काजल, प्रो. जितेन्द्र तथा प्रो. सागर द्वारा मेजर ध्यानचंद को पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ सदस्यों डॉ. मीनाक्षी कोहली, डॉ. सुरेन्द्र पाल सिंह, डॉ. रजनी, डॉ. कान्ता, प्रो. तारिका, प्रो. नितिन सचदेवा, डॉ. भारती शर्मा, प्रो. मंजू, प्रो. सिम्पा, प्रो. विकास बैनीवाल, आदि ने भी मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं जैसे कबड्डी, बैडमिंटन का आयोजन किया गया जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा

कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। ये न केवल शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक स्फूर्ति प्रदान करते हैं बल्कि हमारे देश के युवाओं को नशे से दूर रहने, अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रप्रेम की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी को खेलों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। प्राचार्य ने खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाडियों का उत्साह बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

खबर संक्षेप

दो अवैध पिस्तौल सहित एक युवक को पकड़ा

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद पुलिस टीम ने अशोक नगर क्षेत्र से एक युवक को दो अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि अपराध अनुसंधान शाखा की टीम गश्त एवं अपराध पड़ताल के दौरान अशोक नगर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोककर उसकी नियमित तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी की जेब से दो अवैध पिस्तौल 32 बोर बरामद हुए।

11 किलोग्राम चूरापोस्त सहित तस्कर गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने नशा तस्करों पर नकेल कसते हुए सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र से एक तस्कर को 11 किलोग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने शनिवार को बताया कि तस्कर की पहचान पंजाब के फाजिल्का जिला के शंकरदास के रूप में हुई। तस्कर डबवाली क्षेत्र में चूरापोस्त बेचने की फिराक में था और पुलिस ने उसे दबोच लिया। सीआईए प्रभारी राजपाल ने बताया कि पुलिस ने गस्त पड़ताल अपराध व नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए गांव सकताखेड़ा से होते हुए चौटाला रोड गांव शेरगढ़ की तरफ आ थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

क्विज प्रतियोगिता का किया आयोजन

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भरोखां में आज मिडिल विभाग में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वेद रोज ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। मिडिल विभाग के बाकी विद्यार्थियों ने भी ऑडियंस के रूप में क्विज प्रतियोगिता में सक्रियता से भाग लिया। प्रश्न इतिहास, राजनीति ,गणित, विज्ञान ,सामान्य ज्ञान आदि सभी विषयों से संबंधित एवं काफी ज्ञानवर्धक थे।प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को मिडल विभाग द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

खेल दिवस पर फिट इंडिया कार्यक्रम का आयोजन

फतेहाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा 22 अगस्त से 4 सितम्बर तक उद्यमिता पखवाडे का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भोडिया खेड़ा में स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता तथा मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों की 9 सितम्बर को जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाएगी तथा जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरूस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में शहर रतिया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि दयानंद पुत्र मूलचंद निवासी वार्ड नंबर 10, अग्रवाल कॉलोनी, रतिया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 16 जुलाई को वह रामबाग श्मशान घाट में अंतिम संस्कार हेतु गया था। लौटने पर उसने देखा कि उसका मोटरसाइकिल मौके से गायब था, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था।

कंप्यूटर साइंस विषय परिषद का गठन

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से कम्प्यूटर साइंस विषय परिषद का गठन किया गया। महाविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी प्रोफेसर मोनिका गिल ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रधान, उप- प्रधान, सचिव, उप-सचिव व वित्त-सचिव पर क्रमशः सिमरन बीएससी तृतीय, रितिका बीसीए द्वितीय, रिया बीसीए तृतीय, शरनदीप बीसीए तृतीय, दीपिका बीसीए प्रथम का चुनाव किया गया।

कांग्रेस के बिगड़े बोल पर फूटा भाजपा का गुस्सा, पुतला फूंककर जताया रोष

पीएम मोदी की माता को अपशब्द कहने वाले को जनता दिखाएगी आईना : जोड़ा

- सभी कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकाला
- कोर्ट में भी याचिका दायर की गई है और न्याय की मांग क

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

फतेहाबाद। कांग्रेस का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

बिहार में बीते दिन आयोजित कांग्रेस की जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उनकी माता के लिए अपशब्दों का प्रयोग किए जाने से देश व प्रदेश की भाजपा में गहरा रोष है। बीजेपी फतेहाबाद द्वारा शनिवार को जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में कांग्रेस के बड़बोले नेताओं के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का पुतला फूंककर अपना विरोध जताया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा जनता को कांग्रेस के भद्दे चेहरे को उजागर करने का काम किया। पुतला फूंकने के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने रोष मार्च निकाला।

इस दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने बताया कि बीते दिन बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की जनसभा में कांग्रेस के नेताओं ने जनता के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उनकी माता के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। राजनीति करना अपनी जगह है, लेकिन अपशब्दों के साथ किसी मां और मां की ममता को अपमानित करना बर्दाश्त के काबिल नहीं है। कांग्रेसियों की जुबान भाजपा तो क्या आप जनता को भी रास नहीं आई। जनता में भी कड़ा विरोध और रोष देखा जा रहा है। कांग्रेसियों ने अपनी अभद्रता की पराकाष्ठा को लांघा है। जोड़ा ने कहा कि दरभंगा मां सीता की भूमि है। मां सीता की इसी भूमि पर एक मां के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। इसी भूमि की जनता ऐसे घाटिया विचार रखने वाले कांग्रेसी नेताओं को आईना दिखाने का काम करेगी। एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि परिवारवाद की राजनीति करती आई कांग्रेस को अब रास नहीं आ रहा कि एक गरीब मां का बेटा पूरे देश का नेतृत्व करते हुए नए भारत का निर्माण कर रहा है। कांग्रेस ने बार-बार पीएम नरेन्द्र मोदी को अभद्र शब्दों के साथ तिरस्कृत करने का काम किया है। बात जब तक पीएम मोदी की रही, तो सबने सहन करने की कोशिश की, लेकिन अब बात उनकी मां की ममता पर आ गई है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कई स्थानों में भाजपा के नेताओं ने विरोध किया है। कोर्ट में भी याचिका दायर की गई है और न्याय की मांग की गई, लेकिन ऐसे औच्छे कांग्रेसी नेताओं का वास्तविक न्याय तो जनता ही करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा लूट की राजनीति की है, वोट चोर कौन है यह इतिहास के पन्ने खोल कर देखे जा सकते हैं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, इंद्र गावड़ी, सविता टुटेजा, टेकचंद मिट्ठा, रामराज मेहता, कंवल चौधरी, शम्मी ढींगड़ा, सुमन बजाज, नीलम मेहता, नीलाशी शर्मा, किरण नारंग, पूनम सिंगला, विकास शर्मा, संदीप भोडिया, निर्मल नागपुर, सीताराम पूनिया, बिट्टू गुजर, सौरव रत्ती, रामकुमार मेहरा, हवा सिंह, गुलशन छाबड़ा, भूप सिंह, राजेन्द्र सैनी, हरचन्द गुज्जर, मोतीलाल, निर्मल सिंह, गुरभेज सिंह, होशियार सिंह, सुरेन्द्र बिश्नोई, विक्रम मराठी, प्रवीण सुथार, साहिल मुटियार, संजय बंसल, दलीप सचदेवा, सुभाष चंदौरा, डा. राकेश शर्मा, राधेश्याम झाझड़ा, राजकुमार सूरा, सुल्तान नायक, जगदीश नायक, इन्द्र बतरा, मनोज नारंग, रामचन्द्र रेल्हन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिरसा। प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता

साहूवाला-द्वितीय का शानदार प्रदर्शन जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

- छात्र बलविंदर ने बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान पाया
- प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियो को दी शुभकामनाएं

जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में गांव साहूवाला-द्वितीय स्कूल की अंडर-17 कबड्डी (लड़कियां) टीम ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा जन्नत ने शतरंज में ब्लॉक की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा छात्र बलविंदर ने अंडर-17 वर्ग की 50 किलोग्राम भार वर्ग बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

विद्यालय प्राचार्या मंजू पूनिया ने छात्रों की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसका श्रेय विद्यालय में कार्यरत डीपीई जोगिंदर सिंह, पीटीआई भगवान, पीजीटी हिंदी सुमन सहित पूरे स्टाफ और विद्यार्थियों को दिया। इस मौके पर संजीव बामल, दीपक और राजेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

साहूवाला-द्वितीय की टीम ने साइंस ड्रामा में भी किया प्रथम स्थान प्राप्त खंड शिक्षा कार्यालय नाथूसरी चौपटा में एससीईआरटी गुरुग्राम के निर्देशानुसार साइंस ड्रामा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 43 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में साहूवाला-द्वितीय की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और अगले स्तर के लिए क्वालीफाई किया।

विद्यालय प्राचार्या मंजू पूनिया ने इस उपलब्धि पर विज्ञान अध्यापिका कुमारी रिंकू एवं पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही उन्होंने जिला स्तरीय साइंस ड्रामा प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

निरीक्षण कर शहर में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

फल-सब्जी विक्रेता व दुकानदार अपनी दुकानों पर रखे डस्टबिन : एसडीएम

- अधिकारियों को कार्रवाई करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭|सिरसा

सिरसा। शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते एडीसी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत सिरसा जिले के सभी शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नगर परिषद और नगर पालिकाओं द्वारा बाजारों, कॉलोनियों, गलियों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार को अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों बस स्टैंड, आईटीआई चौक, सब्जी मंडी, डबवाली रोड आदि का निरीक्षण और सफाई व्यवस्था की जानकारी ली।

अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत ने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत प्रतिदिन रिहायशी इलाकों, सार्वजनिक स्थानों, पार्कों, बाजारों, अनाजमंडी में निरंतर सफाई अभियान चलाया जाए। प्रतिदिन डोर टू डोर कूड़ा एकत्रित करवाएं। इसके साथ-साथ आमजन को भी सफाई व्यवस्था के लिए जागरूक करें। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और अपने शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में योगदान दें। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य न केवल शहर को साफ-सुथरा रखना है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी फैलाना है। अतिरिक्त उपायुक्त ने रेहड़ी फल सब्जी विक्रताओं व दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों पर डस्टबिन अवश्य रखें।

विभिन्न स्थानों पर फोगिंग करवाई

हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान के तहत डबवाली नगर परिषद द्वारा स्वच्छता के साथ-साथ मच्छरों से बचाव के लिए शहर में विभिन्न स्थानों पर फोगिंग करवाई गई ताकि मच्छरों के प्रकोप न हो। फॉगिंग के दौरान गलियों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि मच्छर न पनपे।

सीडीएलयू के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के विधि विभाग के विद्यार्थियों ने कन्हैया आश्रम एवं हेलेन केलर संस्थान का शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया। भ्रमण का नेतृत्व डॉ. वकील मेहरा एवं डॉ. विकास पूनिया, सहायक प्रोफेसर, विधि विभाग द्वारा किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सेवा, करुणा और समावेशिता के मूल्यों से अवगत कराना तथा उन्हें शैक्षिक अनुभव के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक समझ प्रदान करना था। भाई कन्हैया आश्रम में विद्यार्थियों ने आश्रम के प्रतिनिधियों से संवाद किया और भाई कन्हैया जी के जीवन दर्शन को जाना, जिन्हें मानवता और सार्वभौमिक भाईचारे की मिसाल के रूप में याद किया जाता है। हेलेन केलर संस्थान में विद्यार्थियों ने दिव्यांगजनों के कल्याण, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

न्यूज डायरी

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की बैठक 2 को

फतेहाबाद। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक 2 सितम्बर मंगलवार को प्रातः 10 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के पास स्थित रेस्ट हाऊस में होगी। इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मांगों को लेकर राज्य कार्यकारिणी की सरकार से हुई बातचीत बारे भी सदस्यों को जानकारी दी जाएगी। यह जानकारी देते हुए संगठन के महासचिव सुभाष चन्द्र चौहान ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला प्रधान मुंशीराम कम्बोज करेंगे वहीं निहाल सिंह माताना विशेष तौर पर भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक के माध्यम से सरकार से मांग की जाएगी कि कैशलेस मेडिकल सुविधा को लागू किया जाए और बंद पड़े इसके पोर्टल को जल्द खोला जाए।

गणेश महोत्सव में नेहा मित्तल ने की ज्योत प्रज्जवलित

फतेहाबाद। अग्रोहा विकास ट्रस्ट की जिलाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की राष्ट्रीय महासचिव नेहा मित्तल ने खेमाखाती रोड़ पर टैगोर स्कूल के पास ओम नमत्न ग्रुप फतेहाबाद की ओर से 8वें विशाल गणेश महोत्सव में ज्योति प्रज्जवलित की तथा पूजा-अर्चना में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया। इस मौके पर नेहा मित्तल ने गणेश जी की महिमा का वर्णन किया तथा संस्था का धन्यवाद किया। ओम नमः ग्रुप के प्रधान आशीष ने बताया कि उनकी संस्था हर वर्ष गणेश उत्सव धूमधाम से मनाते हैं। गणेश उत्सव का यह कार्यक्रम 27 अगस्त को शुरू किया गया था तथा 6 सितम्बर को उत्सव का समापन किया जाएगा।

एक साथ चुनाव से समय और धन की होगी बचत : सैनी

भूना। न्यू सनराइज स्कूल में शनिवार को 'एक देश, एक चुनाव' के समर्थन में एक प्रस्ताव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने एक साथ चुनाव होने के पक्ष में अपनी सहमति जताई। कार्यक्रम में कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में 'एक देश, एक चुनाव' के जिला संयोजक बलदेव सिंह सैनी और मण्डल संयोजक सुभाष बिश्नोई ने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। बलदेव सिंह सैनी ने कहा, अगर देश में एक साथ चुनाव होते हैं तो इससे समय और धन की बचत होगी। बार-बार चुनावों की प्रक्रिया से प्रशासनिक कामकाजी समय और धन की हानि होती है। एक साथ चुनाव होने से अधिकारी की ड्यूटी पर कम खर्च होगा और शासन को भी लाभ होगा। स्कूल के डायरेक्टर अजय रेवड़ी, प्रिंसिपल नेहा रेवड़ी और अन्य अतिथियों ने भी इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में सनियाना मंडल अध्यक्ष विनोद खिचड़, ज्योति रेवड़ी, रेणु रेवड़ी, सुरेंद्र खिचड़, नवनीत सिंह, हरदीप गोदारा, सतपाल सिंह, भजन लाल आदि मौजूद रहे।

बच्चों ने परमाणु ऊर्जा संयत्र का किया भ्रमण

भट्टूकलां। गांव ढिंगसरा स्थित शांति निकेतन सीनियर सैकेंडरी स्कूल कक्षा 9वीं व 10वीं फाउंडेशन और 11वीं व 12वीं विज्ञान से लगभग 100 विद्यार्थियों ने परमाणु ऊर्जा संयत्र, गोरखपुर, फतेहाबाद का भ्रमण किया, ताकि बच्चे बिजली उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया को भली भांति समझ सके। प्रधानाचार्य रणसिंह रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने बताया कि फिजिक्स लेक्चरर राजू जुनेजा और कैमेस्ट्री लेक्चरर पिंकी की देख-रेख में बच्चे गोरखपुर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि विद्यालय का हमेशा यह प्रयास रहता है कि बच्चे रट्टा मारने की बजाय प्रेक्टिकल तरीके से समझाया जाए। इन कक्षाओं में स्वच्छ ऊर्जा-हरित ऊर्जा नाम से एक टॉपिक आता है, जिसे बच्चों को बोर्ड पर न समझाकर प्रेक्टिकल तरीके से करवाया जाए, तो वह बच्चों के सारे कॉन्सेपट को क्लीयर करता है और पूरे जीवन उसे याद रखने में सहयोग करता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की नियुक्तियां

बलदेव सैनी ओबीसी मोर्चा और बिट्टू गुर्जर युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नियुक्त

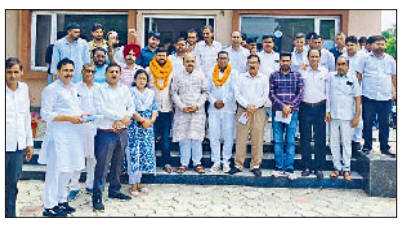

फतेहाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने जिले के संगठन में नई नियुक्तियां की है। जिलाध्यक्ष ने युवा नेता बिट्टू गुर्जर खैरातीखेड़ा को भाजपा युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है, वहीं टोहाना से बलदेव सैनी को भाजपा ओबीसी मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। बिट्टू गुज्जर भाजपा के जुझारू और ऊर्जावान युवा नेता हैं, वहीं बलदेव सैनी नगर परिषद टोहाना के वाईस चेयरमैन प्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा कर रहे हैं और सालों से भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं। भाजपा के प्रति इनकी निष्ठा, सेवा व लगन को देखते हुए हाई कमान ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी है। आज बीजेपी कार्यालय में दोनों नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का अभिनंदन हुआ। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने बलदेव सैनी व बिटटू गुर्जर को मिठाई खिलाकर बधाई व शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व भाजपा हाई कमान का आभार प्रकट करते हुए विश्वास दिलाया कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसका पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वाह करेंगे। प्रवीण जोड़ा ने कहा कि पार्टी का मूल उद्देश्य आमजन की समस्याओं को दूर करना और समाज के हर वर्ग तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियाँ जनता के हित में हैं और संगठन की मजबूत कार्यप्रणाली के चलते आमजन का विश्वास लगातार भाजपा पर बढ़ रहा है।

जानबूझकर टक्कर मारकर छात्र की हत्या का मामला, अब तक 6 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

- मामले को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी

स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर एक छात्र की सुनियोजित हत्या करने के मामले में भूना पुलिस ने एक ओर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले ही पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, और अब छठे आरोपी अमित पुत्र ओमप्रकाश, निवासी नाढोरी को भी गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी ने इस हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया था। डीएसपी रतिया नर सिंह ने बताया कि 19 अगस्त को अमनदीप सिंह पुत्र अजीत सिंह, निवासी वार्ड नंबर 1, गांव भूना ने थाना भूना में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, वह अपने दोस्तों को भूना बस स्टैंड छोडने गया था। उसी दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे उसके दोस्त विजय पुत्र महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई और अन्य साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक तौर पर यह मामला सडक़ दुर्घटना प्रतीत हुआ, लेकिन घटनास्थल की स्थिति, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण से मामला संदिग्ध लगा। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी रतिया के नेतृत्व और थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश की निगरानी में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, मोबाइल डेटा की जांच, और गवाहों से पूछताछ की गई। इन सभी पहलुओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट हो गया कि यह सडक़ दुर्घटना नहीं, बल्कि एक पूर्व नियोजित हत्या थी। इस मामले में आरोपी अमित को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हत्या को दुर्घटना का रूप देने की यह साजिश अत्यंत गंभीर अपराध है, और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की आगे की जांच नियमानुसार जारी है।

सलाह | नशा विनाश की जड़, जागरूकता से ही बचाव संभव

यातायात नियमों का पालन करते हुए समाज में जिम्मेदार नागरिक की मिसाल पेश करें युवा : पुलिस अधीक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭|फतेहाबाद

- कानून का उल्लंघन अपने और दूसरों के लिए बन सकता है गंभीर खतरा

सुरक्षित जीवन के महत्व पर विस्तृत दी जानकारी

सही मार्गदर्शन और समय पर रोकथाम ही बड़े हादसों को टाल सकती है। युवाओं से एसपी ने आग्रह किया कि वे नशे से पूरी तरह दूर रहें और यातायात नियमों का पालन करते हुए समाज में एक जिम्मेदार नागरिक की मिसाल पेश करें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस जन-जागरूकता अभियान का हिस्सा बनें और अपने साथियों को भी नशा छोडने व सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। पुलिस का यह अभियान केवल कानून का पालन करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य समाज में ऐसी जागरूकता फैलाना है जिससे आने वाली पीढियों के लिए एक स्वस्थ, सुरक्षित और जिम्मेदार वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। इस दिशा में स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विशेषज्ञ नशे के दुष्परिणामों और सुरक्षित जीवन के महत्व पर विस्तृत जानकारी दे रहे हैं।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद जिला पुलिस द्वारा नशा-निवारण और यातायात सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत एक नई चेतावनीपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें युवाओं को यह संदेश दिया गया है कि क्षणिक आनंद के लिए नशा चुनना जीवन को अंधकारमय बना सकता है। समझदारी और जिम्मेदारी ही सुरक्षित भविष्य की पहचान है। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। एक छोटी सी लापरवाही न केवल चालक की जान ले सकती है, बल्कि राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की जिंदगी को भी खतरे में डाल सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस का उद्देश्य केवल सख्ती करना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना भी है, ताकि वे समय रहते इस खतरे को समझें और नशे से दूरी बनाएं। एसपी ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने नाबालिग बच्चों को किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति न दें। कम उम्र में वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह बच्चों और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है।

खेल महोत्सव में खिलाड़ियों के पंजीकरण का आह्वान

टोहाना। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को नागरिकों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं का निवारण सुनिश्चित करने के लिए कहा। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि हर समस्या का समाधान ही हमारा संकल्प है। जनता की सेवा करना और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना ही उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य है। उन्होंने नागरिकों से सांसद खेल महोत्सव के लिए खिलाडियों का पंजीकरण करवाने की अपील की।

हरियाणा में सरकार नहीं जंगलराज कायमः फौगाट

सिरसा। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कहा कि आज हरियाणा में जिस प्रकार अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं, उससे स्पष्ट कहा जा सकता है कि प्रदेश में आज किसी सरकार का नहीं बल्कि जंगलराज कायम है जहां समाज का हर वर्ग चिंतित व खौफजदा है।

बेदखली सूचना

मैं राज कौर पत्नी बग्गा सिंह निवासी वार्ड नंबर 1, ओटू , जिला सिरसा ब्यान करती हूं कि मेरी लड़की सीमा बाई मेरे से अलग रहती है व मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं मेरी लड़की सीमा बाई को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में मेरी लड़की सीमा बाई से लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। भविष्य में सीमा बाई द्वारा किए गए हर अच्छे व बुरे कार्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होगी। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक आज

फतेहाबाद। वरिष्ठ नागरिक परिषद की मासिक बैठक उपप्रधान बनारसी दास मोंगा की अध्यक्षता में 31 अगस्त रविवार को सांय 5 बजे बाल भवन फतेहाबाद में होगी। यह जानकारी देते हुए सचिव सुग्रीव सिंह बिश्नोई ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं बारे विचार विमर्श किया जाएगा। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं लिखित में लेकर आए ताकि संबधित विभागों से हल करवाया जा सके।

ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। ट्रांसफार्मर तेल चोरी के एक मामले में जाखल पुलिस ने दूसरे आरोपी आकाशदीप को भी गिरफ्तार किया है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2022 में बिजली निगम की शिकायत पर थाना जाखल में 27 जुलाई 2022 को धारा 136, इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, 25 जुलाई 2022 की रात कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने किसानों के खेतों में लगे दो ट्रांसफार्मरों से करीब 115 लीटर तेल चोरी कर लिया था।

प्रतिबंधित टैबलेट सहित महिला गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली गोलियों के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। महिला की पहचान रानी पत्नी सतपाल, निवासी कुलां के रूप में हुई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया।

गोगा जी धाम पर लगेगा वार्षिक मेला

फतेहाबाद। श्री राम कृष्णा गौशाला सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निर्माणाधीन श्री राम कृष्णा गौशाला परिसर, सालमखेड़ा रोड, धांगड़ में स्थित चमत्कारी गोगा जी धाम पर पहला वार्षिक विशाल मेला, जागरण एवं भंडारे का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा। यह आयोजन भाद्र शुक्ल पक्ष नवमी, गोगा नवमी के पावन पर्व पर सोमवार, एक सितम्बर को होगा। संस्था के प्रधान जितेन्द्र मंगला ने बताया कि महंत बाबा राजेश गिरी महाराज, जूना अखाड़ा, मानावाली धाम पर पहुंचकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

शहर को गंदा करने वालों के कटेंगे चालान

फतेहाबाद। फतेहाबाद में सुबह-सुबह जिला नगर आयुक्त संजय बिश्नोई नगर परिषद के अधिकारियों के साथ निरीक्षण पर निकले। उन्होंने पार्कों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही शहर में सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर दिया। बाजारों में गंदगी मिलने पर डीएमसी ने अधिकारियों को दुकानदारों के चालान काटने के भी निर्देश दिए। गौरतलब है कि सीएम नायब सैनी ने पिछले दिनों सभी डीएमसी की मीटिंग लेकर उन्हें शहरों की सफाई बेहतर बनाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने लगातार स्वच्छता पर फोकस रखने का टारगेट दिया है। इस दिशा में काम हो रहा है।

मजदूरों के 90 दिन के काम की तसदीक का अधिकार यूनियन को देने की मांग

श्रमिक बोर्ड की साइट बंद करने के विरोध में प्रदर्शन किया

श्रमिक संगठन बोले, दो माह से पंजीकरण नहीं हो पा रहे , मजदूर हो रहे परेशान

श्रमिकों ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर पर्क में प्रदर्शन कर एडीसी के माध्यम से श्रममंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रोष प्रदर्शन व सभा की अध्यक्षता यूनियन के जिला प्रधान जगीर सिंह ने की व संचालन जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एडीसी को श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते भवन निर्माण कामगार यूनियन का प्रतिनिधिमंडल। फोटो :हरिभूमि

भ्रष्टाचार के नाम पर बंद किए गए बोर्ड को खोले जाने, मजदूरों के 90 दिन के काम की तसदीक का अधिकार यूनियनों को दिए जाने, 26 हजार रुपए मासिक दिहाड़ी, एस.ओ.पी सिस्टम खोले जाने आदि मांग को लेकर फतेहाबाद जिले के सैंकड़ों निर्माण मजदूरों ने भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा के आह्वान पर जिला उपायुक्त कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। निर्माण मजदूर उपायुक्त कार्यालय के बाहर पार्क में इक_ा हुए और प्रदर्शन करते हुए डीसी कार्यालय जाकर एडीसी को श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। रोष प्रदर्शन व सभा की अध्यक्षता यूनियन के जिला प्रधान जगीर सिंह ने की व संचालन जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने किया। सभा को राज्य अध्यक्ष मनोज सोनी ने सम्बोधित किया। राज्य अध्यक्ष मनोज सोनी ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों पर कार्यवाही की बजाए लाखों निर्माण मजदूर कारीगरों पर कार्यवाही कर रही हैं। सरकार के तानाशाहीपूर्ण रवैये के चलते दो माह से बोर्ड की साइट को बंद कर

पंजीकरण बंद

लाखों निर्माण श्रमिक बोर्ड बंद होने के चलते ना केवल पंजीकरण से वंचित हो रहे हैं, तमाम सुविधाओं से भी वंचित हो गये हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार माह से पास हुए कन्यादान व अन्य सुविधा फार्मों की राशी को भी जारी नहीं किया जा रहा हैं। हरियाणा सरकार बोर्ड के पैसे का बड़े पैमाने पर राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए दुरूपयोग कर रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार निर्माण श्रमिकों की सुविधाओं का विज्ञापन देकर गुणगान कर रहे हैं दूसरी ओर श्रम मंत्री निर्माण श्रमिकों की सुविधाओं को रोके हुए है। जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि यूनियन लगातार भ्रष्ट अधिकारियों व दलालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग करती रही है, मगर सरकार उन पर कानूनी कार्यवाही करने की बजाए उनको बचाने व मजदूरों को सजा देने का काम कर रही है। रोष प्रदर्शन में ब्लॉक प्रधान धर्मपाल, मुकेश कुमार डुल्ट, संतराम अहरवां, जसवीर रतिया, मेवा सिंह मिराना, मिड डे मील प्रधान गगनदीप कौर, खेत मजदूर यूनियन से धर्मपाल जांडली, सुभाष धोलू, मनफुल जांडली, मेवा सिंह मिरानां, बलविंदर एमपी सोत्र, जरनैल, गुलाब सिंह सहित काफी निर्माण मजदूर मौजूद रहे।

ऑनलाइन सट्टेबाजी एप से ठगी

पुलिस ने चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार किया, पूछताछ जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

साइबर अपराध और अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी के मामले में चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहित चौधरी पुत्र विजय चौधरी निवासी चौधरी कॉलोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। इस मामले में अनिल कुमार मल पुत्र अशोक मल निवासी एमसी कॉलोनी, फतेहाबाद सहित तीन अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यह मामला 29 मई को थाना शहर फतेहाबाद में दर्ज किया गया था।

थाना शहर प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि पंकज कुमार पुत्र भीमसेन निवासी चौधरी कॉलोनी, फतेहाबाद जो विश्वकर्मा मंदिर के पास पंकज मोबाइल एंड स्टेशनरी नामक दुकान चलाता है, अपने साथियों मोहित चौधरी, एक महिला सहयोगी और मन्नू निवासी हिसार के साथ मिलकर एक संगठित साइबर ठगी गिरोह चला रहा है। यह गिरोह लोगों को विभिन्न ऑनलाइन ऐप्स के माध्यम से फर्जी निवेश योजनाओं में शामिल करता है और उन्हें अधिक मुनाफे का लालच देकर ठगी करता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बीघड़ चौक स्थित उक्त दुकान पर छापा मारा और पंकज कुमार को मौके पर गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 5 हजार नकद बरामद किए गए। पूछताछ में पंकज कुमार ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर उनसे धन ऐंठता था। बरामद 5 हजार रुपये के बारे में उसने बताया कि यह राशि मोहित चौधरी द्वारा भेजे गए एक व्यक्ति से मिली थी, लेकिन उसने उसका नाम नहीं पूछा। पंकज के मोबाइल की जांच में एक व्हाट्सएप संदेश मिला, जिसमें 20 अप्रैल को किसी महिला को 1.5 एल यानि 1.5 लाख रुपये भेजने का उल्लेख था। पुलिस ने पंकज से बरामद मोबाइल फोन को भी चेक किया।

समस्याओं का नहीं हो रहा समाधान

प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात में भी सरकार गंभीर नहीं आपदा प्रबंधन सिर्फ कागजों में सिमटा : सैलजा

हरिभूमि न्यूज. सिरसा

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर नहीं है। हालात यह हैं कि प्रदेश के 20 जिलों में आपदा प्रबंधन विभाग के जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर ही नहीं है। पदों के रिक्त होने के कारण आपदा प्रबंधन का बजट खर्च नहीं हो रहा है। जिस कारण लोगों का जीवन जोखिम में है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में प्रदेश सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग में जिला प्रोजेक्ट ऑफिसर की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था पर उसके बाद अब तक इस भर्ती को लेकर कोई प्रक्रिया नहीं की गई है। इससे साफ होता है कि प्राकृतिक आपदाओं को लेकर प्रदेश सरकार लोगों को जोखिम से बचाने के लिए जरा भी गंभीर नहीं है। यह बात सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को स्थानीय रेस्ट हाऊस में जन समस्याएं सुनते हुए कही। उन्होंने कहा कि

सांसद का सरकार पर हमला

इस बार बरसातें ज्यादा हुई हैं इसके लिए सरकार को पहले से प्रबंध करके रखने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले बड़ी बड़ी बातें करते हैं लेकिन धरातल पर जाकर देखें तो लोग हर प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। बहुत से क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या बनी है। लोगों को अपनी रोजमर्रा का जीवन यापन करने में मुश्किल हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में कोई कदम नहीं उठाए जा रहे जिस कारण जो बच्चे आगे बढऩा चाहते हैं उनको सुविधाएं नहीं मिल रही। नशा और क्राइम से राहत तभी मिलेगी जब शिक्षा के बेहतर प्रबंध होंगे। लाइब्रेरियों की कमी है। गरीबों के मकान नहीं बन रहे। समाज का हर वर्ग परेशान है।

समस्याएं सुनीं

रेस्ट हाउस में सांसद कुमारी सैलजा ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी की समस्याओं का हल करवाने के लिए सरकार को लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याएं उठाने के लिए वे कभी गुरेज नहीं करती। चाहे व प्रदेश सरकार से संबंधित हों या केंद्र सरकार से सभी संबंधित मंत्रियों व अधिकारियों को लिखा जाएगा। सांसद कुमारी सैलजा के समक्ष लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याएं रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कोई सुनवाई नहीं हो रही। अधिकारी किसी की भी नहीं सुनते। इस अवसर पर रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संदीप नेहरा, महिला कांग्रेस की जिला प्रधान कृष्णा फोगाट, बलविंद्र नेहरा, राजेश चाडीवाल, प्रो. आरसी लिंबा आदि कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

सेम की समस्या को लेकर किसान मुखर, कदम उठाने की मांग

सीएम आवास घेराव को लेकर किसान नेताओं ने चोपटा में किया जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

भारतीय किसान एकता के पदाधिकारियों ने शनिवार को किसानों व मजदूरों की मांगों को लेकर पैंतालिसा क्षेत्र के गांवों में जाकर एक सितंबर को कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास के घेराव के लिए पहुंचने की अपील की। किसान नेता लखविंद्र सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हिसार घग्गर ड्रेन का निर्माण चोपटा क्षेत्र में सेम ग्रस्त एरिया के लिए किया गया था, ताकि सेम से निजात मिल सके, लेकिन प्रशासन व नहरी विभाग की नाकामी के चलते बरसात के मौसम में हर साल हजारों एकड़ फसल इसकी चपेट में आकर बर्बाद हो रही है। हम सरकार से अपील करते हैं कि से ग्रस्त इलाके का स्थाई

सीएम आवास घेराव को लेकर चोपटा का दौरा करते किसान नेता।

समाधान किया जाए, ताकि इस क्षेत्र की किसानी को बचाया जा सके। शनिवार को गांव तरकांवाली में ग्रामीणों के संबोधित करते हुए औलख ने कहा की 1 सितंबर को किसान सुबह 10 बजे से ताऊ देवीलाल पार्क पिपली रोड कुरुक्षेत्र में एकत्रित होना शुरू हो जाएंगे। इसके बाद प्रदर्शन करते हुए सीएम आवास पर पहुंचेंगे। औलख ने कहा कि किसानों की मांगों में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के तहत सी2+50 के अनुसार एमएसपी तय करके किसानों की फसलों की खरीद सुनिश्चित की जाए, निम्न क्वालिटी व नकली बीज, खाद, कीटनाशकों की बिक्री पर रोक लगाई जाए और खाद के वितरण में पारदर्शिता लाई जाए। खाद में टैगिंग व कालाबाजारी बंद की जाए। नहरों व ड्रेनों की सफाई समय पर की जाए।

देश से माफी मांगे कांग्रेस

कांग्रेस के नेताओं की भाषा लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

बिहार में आयोजित कांग्रेस की जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी माता के लिए अपशब्द कहे जाने पर राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जिला भाजपा कार्यकारिणी सदस्य दर्शन नागपाल ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पार्टी की तीखी निंदा की है। दर्शन नागपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब अपनी राजनीतिक सीमाएं लांघ रही है और इस प्रकार की बयानबाजी उसकी हताशा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की जनता के निर्वाचित नेता हैं और उनकी माता का अपमान करना केवल प्रधानमंत्री ही नहीं बल्कि पूरे देश की भावनाओं को ठेस पहुंचाना है। भाजपा नेता ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी की घटती लोकप्रियता और जनाधार के चलते उसके नेता इस तरह की ओछी राजनीति पर उतर आए हैं। नागपाल ने कहा कि आज कांग्रेस का जो हाल है वह उसकी अपनी करनी का परिणाम है और जनता अब उसके नेताओं के ऐसे गैरजिम्मेदाराना बयानों को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मां शब्द का अपमान कर रही है।

दर्शन नागपाल

केएल थियेटर प्रोडक्शंस के कलारों ने लूटी वाहवाही

नाटक ईमान से किया स्वार्थपूर्ण समाज का सजीव चित्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के तत्वावधान में केएल थियेटर प्रोडक्शंस और जेसीडी रंगशाला के संयुक्त संयोजन में चल रहे नाट्य महोत्सव अनुभाव रंग महोत्सव के चौथे दिन पूर्वाभ्यास दिल्ली के कलाकारों द्वारा नाटक ईमान का मंचन राजकीय नेशनल महाविद्यालय सिरसा के सभागार में किया गया। पूर्वाभ्यास दिल्ली के कलाकारों ने निर्देशक शेख सोहेल के निर्देशन में नाटक ईमान के माध्यम से आज वर्तमान दौर के इंसान को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आज के स्वार्थपूर्ण समाज में हर कोई एक दूसरे का लाभ उठाने का अवसर ढूंढता है। नाटक ईमान हास्यात्मक और व्यंग्यात्मक तरीके से आज के स्वार्थपूर्ण समाज और इंसान पर कटाक्ष करता है। उसके बाद कार्यक्रम संयोजक और केएल थियेटर प्रोडक्शन्स के निदेशक कर्ण लढा ने मुख्यातिथि डा. हरजिंदर सिंह, कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. हरविदर मौजूद रहे।

सिरसा। नाटक का मंचन करते कलाकार।

शानदार अभिनय : डॉ. हरजिंदर

नाटक मंचन के बाद मुख्यातिथि डा. हरजिंदर सिंह ने कहा कि इस नाटक के सभी कलाकारों ने बड़ा ही शानदार अभिनय के मौजूदा सभी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि इंसान का ईमान उसके भीतर सदैव जीवित रहना बहुत जरूरी है। एक इंसान का ईमान, जमीर ही एक सभ्य समाज की रचना कर सकता है और कला इसमें एक अहम भूमिका अदा करती है। एक विकसित और सभ्य समाज केवल बड़ी-बड़ी इमारतों से नहीं बनता बल्कि कला का विकास उस समाज की विकासशीलता का एक सशक्त उदाहरण होता है।

मां भगवती की चौकी

भजनाचार्य ईश महत्ता ने भजनों से समां बांधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

लाजपत नगर स्थित समाधा मन्दिर में स्वास्तिक सेना ने गणेश महोत्सव कार्यक्रम में मां भगवती चौकी का आयोजन किया। कार्यक्रम में सर्व श्री वैष्णो भजन मंडल की टीम ने गणपति बप्पा, मां भगवती का गुणगान किया, जिसमें वैष्णो आराधक भजनाचार्य ईश महत्ता ने सुन्दर भजनों से समां बांधा। भजन कीर्तन में सभी भक्तों ने भाव गंगा में डुबकी लगाई। साध संगत में आई महिलाओं ने नाचकर झूमकर उत्साह से उत्सव मनाया। सर्व श्री वैष्णो भजन मंडल के प्रधान दीपक सरदाना भारतदीप, सचिव मुकेश नारंग ने स्वास्तिक सेना के इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, युवाओं की धार्मिक सेवाओं में उपस्थिति सनातनियों के लिए शुभ संकेत है। ऐसे आयोजन हर गली मौहल्ले में होने चाहिए, जिससे हमारी संस्कृति को बढ़ावा मिले। युवाओं की रूचि धार्मिक समाजिक कार्यों में तीव्रता लाने की हो। मंडल उपप्रधान प्रवीण रूखाया भी इस मौके पर मौजूद रहे।

फतेहाबाद। मां भगवती चौकी में भजनों की अमृतवर्षा करते ईश महता।

लाडो लक्ष्मी योजना महिलाओं के साथ धोखा: शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि राजकुमार शर्मा ने प्रदेश सरकार की लाडो लक्ष्मी योजना को महिलाओं के साथ धोखा करार दिया है। अपनी प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश की गिनती भर महिलाओं को ही लाभ मिलेगा, जबकि बड़ी संख्या में महिलाएं इस योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाएंगी। शर्मा ने कहा कि सरकार ने बड़ी सोची समझी प्लानिंग के तहत योजना में शर्तें जोड़ दी हैं, जिससे प्रदेश की हर महिला 2100 रूपए की सहयोग राशि प्राप्त नहीं कर सकेंगी। राजकुमार शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं की संख्या डेढ़ करोड़ के करीब है, पर सरकार ने सालाना 1 लाख आय से कम वाले परिवार की महिलाओं को ही इस योजना का पात्र माना है। ऐसे में प्रदेश की करीब 10 प्रतिशत महिलाओं को ही फायदा मिलेगा, अन्य 90 प्रतिशत को नहीं। जोकि प्रदेश में महिलाओं की एक बड़ी आबादी के साथ सरासर धोखा है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में बीपीएल परिवारों की बात करें तो इनकी संख्या 52 लाख के करीब है।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में चश्मे किए वितरित

सिरसा। शहर के गुरुद्वारा गुरुनानक नगर में शनिवार को जिला नागरिक अस्पताल के सहयोग से नेत्र जांच व मुफ्त चश्मा वितरण कैंप लगाया गया। भाजपा नेता रोहताश जांगड़ा ने बताया कि कैंप में जिला नागरिक अस्पताल से नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. संदीप गुप्ता ने सैकड़ों मरीजों की आंखों की जांच की। यही नहीं जिन लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया, उनका आप्रेशन भी जिला नागरिक अस्पताल में नि:शुल्क किया जाएगा। रीब एक हजार चश्मे वितरित करने का लक्ष्य था, लेकिन 250 से 300 लोग ही चश्मे लेने के लिए आ पाए।

कैंप में मरीजों की आंखों की जांच करते चिकित्सक।

इंस्टाग्राम पर हथियारों का प्रदर्शन करने वाला काबू

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिला पुलिस सोशल मीडिया पर भी सतर्क निगरानी बनाए हुए है। इसी कड़ी में थाना भूना पुलिस ने इंस्टाग्राम पर हथियारों की नुमाइश करने वाले दूसरे युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इसी मामले में एक अन्य आरोपी की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि जांच में सामने आया कि यह आईडी गोरखपुर निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र कृष्ण कुमार द्वारा बनाई गई थी, जिसे वह अपने बेटे के नाम से संचालित कर रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर समाज में भय का माहौल पैदा होता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9253681005, 7988727916

'एक युद्ध नशे के विरूद्ध' यात्रा में में लोग बढ़-चढ़कर ले रहे हिस्सा

नशे के खिलाफ लड़ाई को हर वर्ग का मिल रहा साथ : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'एक युद्ध नशे के विरूद्ध' निकाली गई यात्रा में उमड़े जनसैलाब ने यह साबित कर दिया है कि फतेहाबाद के लोग नशे को लेकर जागरूक हो चुके हैं और इस सामाजिक बुराई का अंत नजदीक है। यह बात ट्रस्ट के संस्थापक और जिले में नशामुक्त समाज अभियान की अगुवाई कर रहे भवानी सिंह ने यात्रा में शामिल हुई सभी सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कही।

■ यात्रा में 60 से अधिक संस्थाओं के हजारों लोगों ने भाग लेकर मनोबल बढ़ाया

बता दें कि शहर में निकाली गई 'एक युद्ध नशे के विरूद्ध' यात्रा में 60 से अधिक संस्थाओं के हजारों लोगों ने भाग लिया और नशे के खिलाफ इस मुहिम को अंजाम तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। खासकर

युवाओं से यात्रा के साथ जुड़ने का आह्वान

भवानी सिंह ने कहा कि जब से इस अभियान का आगाज हुआ है, नशा बेचने वालों में जहां डर बना हुआ है वहीं ट्रस्ट के प्रयासों से अनेक युवा नशे को त्यागकर समाज की मुख्य धारा में शामिल हो चुके हैं। भवानी सिंह ने कहा कि फतेहाबाद में नशे के विरूद्ध निकाली गई यात्रा में समाज के हर वर्ग के लोगों ने भाग लिया। यात्रा शुरू होने से लेकर समापन तक हर व्यक्ति के चेहरे पर समाज को नशामुक्त करने का जज्बा नजर आया। सामाजिक, धार्मिक, व्यापारियों और शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग ने यात्रा को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। भवानी सिंह ने युवाओं से अपील की कि वह नशे को त्यागकर खेलों और सामाजिक कार्यों से जुड़े। देश के विकास में अपना योगदान दें।

यात्रा में शामिल हुए महिला शक्ति का उन्होंने धन्यवाद किया और भविष्य में भी इसी तरह उनका सहयोग करने की अपील की। भवानी सिंह ने कहा कि यात्रा में शामिल लोगों को नशे के खिलाफ जंग में एक योद्धा की संज्ञा देते हुए कहा कि एक युद्ध में देश को जितना नुकसान होता है, उससे ज्यादा नुकसान देश के भीतर नशा बेचकर युवाओं का जीवन बर्बाद कर रहे लोग पहुंचा रहे हैं। ऐसे लोगों को समाज से बाहर करने और ऐसे समाज की स्थापना करने जिसमें हर युवा नशे से दूर होकर स्वस्थ जीवन जीये और देश के विकास में अपना योगदान दें, इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट ने फतेहाबाद से इस मुहिम की शुरूआत की है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

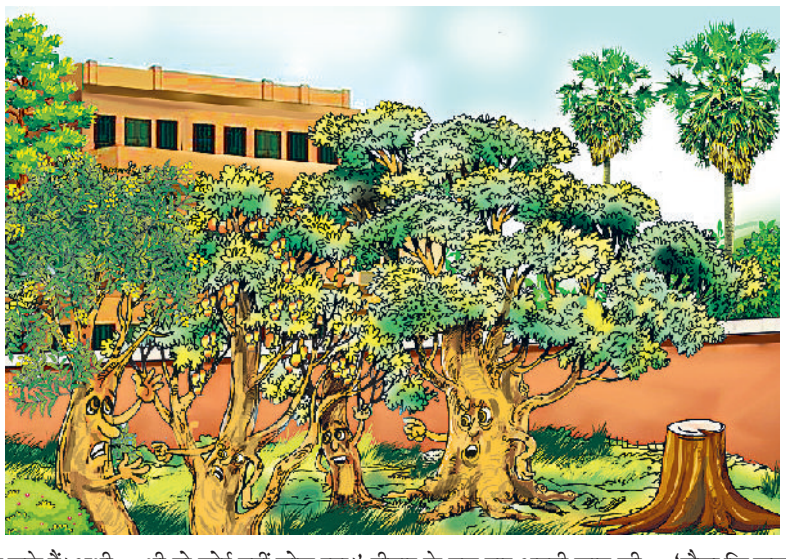

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *